श्री हनुमान अष्टोत्तर मंत्र (Shri Hanuman Ashtottara Mantra)

श्री हनुमान अष्टोत्तर मंत्र (Shri Hanuman Ashtottara Mantra)

आञ्जनेय

1

ॐ आञ्जनेयाय नमः।

Om Anjaneyaya Namah।

देवी अञ्जना केपुत्र

महावीर

2

ॐ महावीराय नमः।

Om Mahaviraya Namah।

अति बलशाली एवं पराक्रमी

हनूमि

3

ॐ हनूमते नमः।

Om Hanumate Namah।

फूले हुये गालों वाले

मारुि◌ात्मज

4

ॐ मारुतात्मजाय नमः।

Om Marutatmajaya Namah।

जो पवन देव को अति प्रिय हैं।

ि◌त्वज्ञानिद

5

ॐ तत्वज्ञानप्रदाय नमः।

Om Tatvajnanapradaya Namah।

ि◌त्वज्ञान ि◌दान करने वाले

सीि◌ादेप्रवमुद्राि◌दायक

6

ॐ सीतादेववमुद्राप्रदायकाय नमः।

Om Sitadevimudrapradayakaya Namah।

सीि◌ा माि◌ा को श्री राम जी की मुद्रद्रका ि◌दान करने वाले

अशोकवनकाच्छेत्रे

7

ॐ अशोकवनकाच्छेत्रे नमः।

Om Ashokavanakachchhetre Namah।

अशोक वन को नष्ट करने वाले

सवमायाप्रवभंजन

8

ॐ सवमायाववभंजनाय नमः।

Om Sarvamayavibhanjanaya Namah।

माया एवं भ्रम को नष्ट करने वाले

सवबन्धप्रवमोक्त्रे

9

ॐ सवबन्धववमोक्त्रे नमः।

Om Sarvabandhavimoktre Namah।

समस्ि िकार केबन्धनों से मुक्त्ि करने वाले

रक्षोप्रवध्वंसकारक

10

ॐ रक्षोववध्वंसकारकाय नमः।

Om Rakshovidhwansakarakaya Namah।

राक्षसों का संहार करने वाले

परप्रवद्या पररहार

11

ॐ परववद्या पररहाराय नमः।

Om Paravidya Pariharaya Namah।

शत्रुओं केज्ञान को हरने वाले

परशौयव प्रवनाशन

12

ॐ परशौयव ववनाशनाय नमः।

Om Parashaurya Vinashanaya Namah।

शत्रुओं केबल एवं शक्त्ि को हरने वाले

परमन्त्र तनराकत्रे

13

ॐ परमन्त्र ननराकत्रे नमः।

Om Paramantra Nirakartre Namah।

केवल श्री राम मन्त्र का जाप करने वाले

परयन्त्र िभेदक

14

ॐ परयन्त्र प्रभेदकाय नमः।

Om Parayantra Prabhedakaya Namah।

शत्रुओं की योजना को प्रवफल करने वाले

सवग्रह प्रवनाशी

15

ॐ सवग्रह ववनाशशने नमः।

Om Sarvagraha Vinashine Namah।

समस्ि ग्रहों केअशुभ िभाव को नष्ट करने वाले

भीमसेन सहायकृथे

16

ॐ भीमसेन सहायकृथे नमः।

Om Bhimasena Sahayakrithe Namah।

भीम की सहायिा करने वाले

सवदुखः हरा

17

ॐ सवदुखः हराय नमः।

Om Sarvadukha Haraya Namah।

समस्ि कष्टों का तनवारण करने वाले

सवलोकचाररणे

18

ॐ सवलोकचाररणे नमः।

Om Sarvalokacharine Namah।

समस्ि लोकों में प्रवचरण करने वाले

मनोजवाय

19

ॐ मनोजवाय नमः।

Om Manojavaya Namah।

वायु केसमान ितीव्र गति वाले

पाररजाि द्रुमूलस्थ

20

ॐ पाररजात द्रुमूलस्थाय नमः।

Om Parijata Drumulasthaya Namah।

पाररजाि केवृक्ष केनीचे तनवास करने वाले

सवमन्त्र स्वरूपवि

21

ॐ सवमन्त्र स्वरूपवते नमः।

Om Sarvamantra Swarupavate Namah।

समस्ि मन्त्रों/स्ितोत्रों केज्ञाित्ा एवं स्वामी

सविन्त्र स्वरूप्रपणे

22

ॐ सवतन्त्र स्वरूवपणे नमः।

Om Sarvatantra Swarupine Namah।

जो समस्ि िकार केिन्त्रों केअधधपति हैं।

सवयन्त्रात्मक

23

ॐ सवयन्त्रात्मकाय नमः।

Om Sarvayantratmakaya Namah।

जो समस्ि िकार केयन्त्रों में प्रवद्यमान हैं।

कपीश्वर

24

ॐ कपीश्वराय नमः।

Om Kapishwaraya Namah।

वानरों केअधधपति

महाकाय

25

ॐ महाकायाय नमः।

Om Mahakayaya Namah।

अत्यन्ि प्रवशाल देह वाले

सवरोगहरा

26

ॐ सवरोगहराय नमः।

Om Sarvarogaharaya Namah।

समस्ि रोगों से मुक्त्ि करने वाले

िभवे

27

ॐ प्रभवे नमः।

Om Prabhave Namah।

सम्पूणव सृक्ष्ट में पूजे जाने वाले / जो देवों में अति लोकप्रिय हैं।

बल ससद्धधकर

28

ॐ बल शसद्धधकराय नमः।

Om Bala Siddhikaraya Namah।

बल िदान करने वाले

सवप्रवद्या सम्पप्रिदायक

29

ॐ सववविद्या सम्पवत्तप्रदायकाय नमः।

Om Sarvavidya Sampattipradayakaya Namah।

नाना िकार की प्रवद्या एवं सम्पप्रि िदान करने वाले

कप्रपसेनानायक

30

ॐ कवपसेनानायकाय नमः।

Om Kapisenanayakaya Namah।

वानर सेना केिमुख

भप्रवष्यथ्चिुराननाय

31

ॐ भववष्यथ्चतुराननाय नमः।

Om Bhavishyathchaturananaya Namah।

भप्रवष की घटनाओं को जानने वाले, भप्रवष्यज्ञाि्ा

कुमार ब्रह्मचारी

32

ॐ कुमार ब्रह्मचाररणे नमः।

Om Kumara Brahmacharine Namah।

जो युवा एवं ब्रह्मचयव व्रि का पालन करने वाले हैं।

रत्नकुण्डल दीक्तिमि

33

ॐ रत्नकुण्डल दीप्ततमते नमः।

Om Ratnakundala Diptimate Namah।

रत्न जड़ि स्वणव कुण्डल धारण करने वाले

चञ्चलद्वाल सन्नद्धलम्बमान सशखोज्वला

34

ॐ चञ्चलद्वाल सन्नद्धलम्बमान शशखोज्वलाय नमः।

Om Chanchaladwala Sannaddhalambamana Shikhojwala Namah।

क्जनकी लम्बी पूँछ उनकेससर से भी ऊँची है।

गन्धव प्रवद्याित्वज्ञ

35

ॐ गन्धव ववद्यातत्वज्ञाय नमः।

Om Gandharva Vidyatatvajnaya Namah।

जो गन्धव प्रवद्या (संगीि) में पारंगि हैं।

महाबल पराक्रम

36

ॐ महाबल पराक्रमाय नमः।

Om Mahabala Parakramaya Namah।

क्जनमें अद्प्रविीय बल एवं साहस है।

काराग्रह प्रवमोक्त्रे

37

ॐ काराग्रह ववमोक्त्रे नमः।

Om Karagraha Vimoktre Namah।

काराग्रह से मुक्त्ि करने वाले

शृन्खला बन्धमोचक

38

ॐ शृन्खला बन्धमोचकाय नमः।

Om Shrinkhala Bandhamochakaya Namah।

बेड़ियों अथवा कष्ट से मुक्त्ि करने वाले

सागरोि्ारक

39

ॐ सागरोत्तारकाय नमः।

Om Sagarottarakaya Namah।

समुद्र को लाूँघने वाले

ि्ाज्ञाय

40

ॐ प्राज्ञाय नमः।

Om Prajnaya Namah।

जो प्रवद्वान हैं।

रामदूि

41

ॐ रामदूताय नमः।

Om Ramadutaya Namah।

भगवान श्री राम केदूि

ि्ि्ापवि

42

ॐ प्रतापवते नमः।

Om Pratapavate Namah।

जो वीर एवं पराक्रमी हैं।

वानर

43

ॐ वानराय नमः।

Om Vanaraya Namah।

जो वानर रूप में क्स्थ हैं।

केसरीसुि

44

ॐ केसरीसुताय नमः।

Om Kesarisutaya Namah।

जो वानर राज केसरी केपुत्र हैं।

सीि्ाशोक तनवारक

45

ॐ सीताशोक ननवारकाय नमः।

Om Sitashoka Nivarakaya Namah।

मा्ि्ा सीि्ा केकष्ट का तनवारण करने वाले

अन्जनागभवसम्भूि्ा

46

ॐ अन्जनागभव सम्भूताय नमः।

Om Anjanagarbha Sambhutaya Namah।

मा्ि्ा अञ्जनी केगभव से जन्म लेने वाले

बालाकवसद्रशानन

47

ॐ बालाकवसद्रशाननाय नमः।

Om Balarkasadrashananaya Namah।

क्जनकी आभा उदीयमान सूयव केसमान है।

प्रवभीषण प्रियकर

48

ॐ ववभीषण वप्रयकराय नमः।

Om Vibhishana Priyakaraya Namah।

जो प्रवभीषण केप्रिय हैं।

दशग्रीव कुलान्ि्क

49

ॐ दशग्रीव कुलान्तकाय नमः।

Om Dashagriva Kulantakaya Namah।

रावण केकुल का अन्ि करने वाले

लक्ष्मणिाणदात्रे

50

ॐ लक्ष्मणप्राणदात्रे नमः।

Om Lakshmanapranadatre Namah।

लक्ष्मण जी केिाणों की रक्षा करने वाले

वज्रकाय

51

ॐ वज्रकायाय नमः।

Om Vajrakayaya Namah।

क्जनका शरीर वज्र केसमान कठोर एवं शक्क्त्िशाली है।

महाद्युि

52

ॐ महाद्युथये नमः।

Om Mahadyuthaye Namah।

क्जनमें से द्रदव्य िेज िकासशि होिा है।

धचरञ्जीप्रवने

53

ॐ धचरञ्जीववने नमः।

Om Chiranjivine Namah।

ित्येक युग में अजर-अमर रहने वाले

रामभक्त्ि

54

ॐ रामभक्ताय नमः।

Om Ramabhaktaya Namah।

जो भगवान श्री राम केपरम भक्त्ि हैं।

दैत्यकायव प्रवघाि क

55

ॐ दैत्यकायव ववघातकाय नमः।

Om Daityakarya Vighatakaya Namah।

दैत्यों केसमस्ि कायव तनष्फल करने वाले

अक्षहन्त्रे

56

ॐ अक्षहन्त्रे नमः।

Om Akshahantre Namah।

रावण केपुत्र अक्षय का अन्ि करने वाले

काञ्चनाभ

57

ॐ काञ्चनाभाय नमः।

Om Kanchanabhaya Namah।

क्जनकी काया कञ्चन (स्वणव) केसमान आभा वाली है।
पञ्चवक्त्र
58
ॐ पञ्चवक्त्राय नमः।
Om Panchavaktraya Namah।
क्जनकेपाूँच मुख हैं, पञ्चमुखी हनुमान
महािपसी
59
ॐ महातपसे नमः।
Om Mahatapase Namah।
जो कद्रठन िपस्या करने वाले हैं।
लक्कनी भञ्जन
60
ॐ लप्कनी भञ्जनाय नमः।
Om Lankini Bhanjanaya Namah।

लक्कनी नामक राक्षसी का उद्धार करने वाले
श्रीमिं
61
ॐ श्रीमते नमः।
Om Shrimate Namah।
जो सम्पूणव सृक्ष्ट में आदरणीय एवं पूजनीय हैं।
ससंद्रहकाािण भञ्जन
62
ॐ शसंहहकाप्राण भञ्जनाय नमः।
Om Simhikaprana Bhanjanaya Namah।
ससंद्रहका राक्षसी का अन्ि करने वाले
गन्धमादन शैलस्थ
63
ॐ गन्धमादन शैलस्थाय नमः।
Om Gandhamadana Shailasthaya Namah।
गन्धमादन पवि पर तनवास करने वाले
लङ्कापुर प्रवदायक
64
ॐ लङ्कापुर ववदायकाय नमः।
Om Lankapura Vidayakaya Namah।
लङ्का दहन करने वाले
सुग्रीव सधचव
65
ॐ सुग्रीव सधचवाय नमः।
Om Sugriva Sachivaya Namah।
जो सुग्रीव केमन्त्री हैं।
धीर

66

ॐ धीराय नमः।

Om Dhiraya Namah।

जो अत्यन्ि वीर एवं साहसी हैं।

शूर

67

ॐ शूराय नमः।

Om Shuraya Namah।

जो तनभीक एवं तनडर हैं।

दैत्यकुलान्िक

68

ॐ दैत्यकुलान्तकाय नमः।

Om Daityakulantakaya Namah।

दैत्यों का अन्ि करने वाले

सुराधचवि

69

ॐ सुराधचवताय नमः।

Om Surarchitaya Namah।

देविाओं द्वारा पूजे जाने वाले

महाि्ेजस

70

ॐ महातेजसे नमः।

Om Mahatejase Namah।

क्जनमें असीसमि ि्ेज है।

रामचूडामणणिदायक

71

ॐ रामचूडामणणप्रदायकाय नमः।

Om Ramachudamanipradayakaya Namah।

भगवान श्री राम को सीि्ा माि्ा की चूि्मणण ि्दान करने वाले

कामरूप्रपणे

72

ॐ कामरूवपणे नमः।

Om Kamarupine Namah।

इच्छानुसार कोई भी रूप धारण करने वाले

प्रपङ्गलाक्ष

73

ॐ वपङ्गलाक्षाय नमः।

Om Pingalakshaya Namah।

लाल एवं भूरे नेत्रों वाले

वाधधवमैनाक पूक्ज्ि

74

ॐ वाधधवमैनाक पूप्जताय नमः।

Om Vardhimainaka Pujitaya Namah।

समुद्र एवं मैनाक पवि द्वारा पूजे जाने वाले

कबळीकृि माि्ावण्डमण्डलाय

75

ॐ कबळीकृत मातावण्डमण्डलाय नमः।

Om Kabalikrita Martandamandalaya Namah।

सूयव को तनगलने वाले

प्रवक्जिेक्न्द्रय

76

ॐ ववप्जतेप्न्द्रयाय नमः।

Om Vijitendriyaya Namah।

समस्ि इक्न्द्रयों को वश में करने वाले

रामसुग्रीव सन्धात्रे

77

ॐ रामसुग्रीव सन्धात्रे नमः।

Om Ramasugriva Sandhatre Namah।

भगवान श्री राम एवं सुग्रीव में समत्रिा करवाने वाले

मद्रहरावणमदवन

78

ॐ महहरावणमदवनाय नमः।

Om Mahiravanamardanaya Namah।

मद्रहरावण का संहार करने वाले

स्फद्रटकाभा

79

ॐ स्फहटकाभाय नमः।

Om Sphatikabhaya Namah।

स्फद्रटक मणण केसमान आभा वाले

वागधीश

80

ॐ वागधीशाय नमः।

Om Vagadhishaya Namah।

जो वाणी केस्वामी हैं।

नवव्याकृिपक्ण्ड

81

ॐ नवव्याकृतपण्डताय नमः।

Om Navavyakritapanditaya Namah।

जो कुशल प्रवद्वान हैं।

चुिबावहवे

82

ॐ चतुबावहवे नमः।

Om Chaturbahave Namah।

चार भुजाओं वाले, चिुभुवजधारी

दीनबन्धुरा

83

ॐ दीनबन्धुराय नमः।

Om Dinabandhuraya Namah।

जो दीन-हीनों केसमत्र हैं।

महात्मा

84

ॐ मायात्मने नमः।

Om Mayatmane Namah।

जो समस्ि आत्माओं में श्रेष्ठ हैं।

भक्त्िवत्सल

85

ॐ भक्तवत्सलाय नमः।

Om Bhaktavatsalaya Namah।

भक्त्ि‍ोंपर करुणा करने वाले

सञ्जीवन नगाहत्रे

86

ॐ संजीवननगायाथाव नमः।

Om Sanjivananagayartha Namah।

सञ्जीवनी पवि लाने वाले

सुचये

87

ॐ सुचये नमः।

Om Suchaye Namah।

जो परम पप्रवत्र हैं।

वाक्ममने

88

ॐ वाप्ममने नमः।

Om Vagmine Namah।

जो एक कुशल वक्त्ा हैं।

दृढव्रिा

89

ॐ दृढव्रताय नमः।

Om Dridhavrataya Namah।

अपनी ितिज्ञा पर दृढ रहने वाले

कालनेसम िमथन

90

ॐ कालनेशम प्रमथनाय नमः।

Om Kalanemi Pramathanaya Namah।

कालनेसम दैत्य का अन्ि करने वाले

हररमकवट मकवटा

91

ॐ हररमकवट मकवटाय नमः।

Om Harimarkata Markataya Namah।

वानरों केस्वामी

दान्ि

92

ॐ दान्ताय नमः।

Om Dantaya Namah।

दान देने वाले

शान्ि

93

ॐ शान्ताय नमः।

Om Shantaya Namah।

शान्ि िकृति वाले

िसन्नात्मने

94

ॐ प्रसन्नात्मने नमः।

Om Prasannatmane Namah।

िसन्नधचि रहने वाले

शिकण्ठमदापहृि्

95

ॐ शतकण्ठमदापहृते नमः।

Om Shatakanthamadapahrite Namah।

शिकण्ठ केअसभमान को नष्ट करने वाले

योगी

96

ॐ योधगने नमः।

Om Yogine Namah।

जो योगी हैं।

रामकथा लोलाय

97

ॐ रामकथा लोलाय नमः।

Om Ramakatha Lolaya Namah।

रामकथा सुनने को उत्सुक रहने वाले

सीिान्वेषण पक्ण्डि

98

ॐ सीतान्वेषण पण्डताय नमः।

Om Sitanveshana Panditaya Namah।

माि्ा सीि्ा को ज्ञानपूवक खोजने वाले

वज्रद्रनुष्ट

99

ॐ वज्रद्रनुष्टाय नमः।

Om Vajradranushtaya Namah।

वज्र केसमान कठोर

वज्रनखा

100

ॐ वज्रनखाय नमः।

Om Vajranakhaya Namah।

वज्र केसमान सुदृढ़ नख (नाखून) वाले

रुद्रवीयव समुद्भवा

101

ॐ रुद्र वीयव समुद्भवाय नमः।

Om Rudra Virya Samudbhavaya Namah।

सशव से उत्पन्न होने वाले / जो सशव केअविार हैं।

इन्द्रक्जत्िद्रहिामोघब्रह्मास्त्र प्रवतनवारक

102

ॐ इन्द्रप्जत्प्रहहतामोघब्रह्मास्त्र ववननवारकाय नमः।

Om Indrajitprahitamoghabrahmastra Vinivarakaya Namah।

इन्द्रजीि केब्रह्मास्त्र का तनवारण करने वाले

पाथव ध्वजाग्रसंवाससने

103

ॐ पाथव ध्वजाग्रसंवाशसने नमः।

Om Partha Dhwajagrasamvasine Namah।

जो अजुवन केरथ की ध्वजा में तनवास करि हैं।

शरपञ्जर भेदक

104

ॐ शरपञ्जर भेदकाय नमः।

Om Sharapanjara Bhedakaya Namah।

शत्रुओं केकाराग्रह को भेदने वाले

दशबाहवे

105

ॐ दशबाहवे नमः।

Om Dashabahave Namah।

दस भुजाओं वाले, दसभुजाधारी

लोकपूज्य

106

ॐ लोकपूज्याय नमः।

Om Lokapujyaya Namah।

समस्ि लोकों में पूजे जाने वाले

जाम्बवत्िीतिवधवन

107

ॐ जाम्बवत्प्रीतिवर्धनाय नमः।

Om Jambavatpritivardhanaya Namah।

जाम्बवन्ति जी से प्रीति एवं घनिष्ठा बढ़ाने वाले

सीताराम पादसेवा

108

ॐ सीतासमेत श्रीरामपाद सेवदुरन्धराय नमः।

Om Sitasameta Shriramapada sevadurandharaya Namah।

श्री सीताराम जी केचरण कमलों की सेवा करने वाले